प्रथम सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – चतुर्थ : Paper Code 41544

प्रश्न पत्र – चतुर्थ	शौरसेनी प्राकृत	75 अंक
इकाई एक	प्रवचनसार (ज्ञानाधिकार) – आचार्य कुन्दकुन्द गाथा – 1–92, अनुवाद एवं समीक्षा	15 अंक
इकाई दो	द्रव्यसंग्रह (नेमिचन्द्राचार्य) – व्याख्या एवं समीक्षा	15 अंक
इकाई तीन	भगवती आराधना – शिवार्य 1354 से 1433 गाथाएँ	15 अंक
इकाई चार	शौरसेनी आगम साहित्य का सर्वेक्षण	15 अंक
इकाई पांच	शौरसेनी प्राकृत भाषा का सोदाहरण विवेचन (अभिनव प्राकृत व्याकरण अध्ययन 10 पृ.383–99 तक)	15 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. प्रवचनसार सम्पा. ए.एन.उपाध्ये (भूमिका)
2. द्रव्यसंग्रह – नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती
3. भगवती आराधना (भावार्थ) भाग 2, स.प. के.सी.शास्त्री, जैन संस्कृति रक्षक संघ, सोलापुर, 1978
4. अभिनव प्राकृत व्याकरण – डॉ.नेमिचन्द शास्त्री
5. महावीर और उनकी आचार्य परम्परा भाग–2, डॉ.नेमिचन्द शास्त्री
6. शौरसेनी प्राकृत भाषा और व्याकरण – डॉ.प्रेम सुमन जैन, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली–2001
7. शौरसेनी प्राकृत व्याकरण – डॉ.उदय चन्द जैन
8. जैन धर्म–दर्शन : डॉ.रमेश चन्द्र जैन
9. जैन दर्शन और संस्कृति का इतिहास : प्रो.भागचन्द जैन
10. जैन संस्कृति कोश – डॉ.भागचन्द जैन, भाग 1 से 3
11. शौरसेनी प्राकृत भाषा साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – प्रो.राजा राम जैन